कक्षा- 6
पाठ योजना- 4
विषय- हिंदी

प्रकरण -पाठ- 4 "चांद से थोड़ी-सी गप्पें"
भाषा कौशल -वाचन कौशल
पाठ का संक्षिप्त विवरण -प्रस्तुत कविता में एक 9-10 साल की लड़की चांद से गप्पे लड़ा रही है। उसे चांद गोल होने पर भी तिरछा नजर आता है। चांद ने तारों जादा आकाश पहना हुआ है। उसके वस्त्र चारों दिशाओं में फैले हुए हैं ।उसे लगता है कि चांद को कोई बीमारी है कि वह बढ़ाते हैं तो बढ़ते ही जाते हैं तथा घटते हैं तो घटते ही चले जाते हैं और गायब हो जाते हैं। उनकी यह बीमारी ठीक होने का नाम ही नहीं लेती।
KPI 2.1 वर्तनिगत अशुद्धियों का ध्यान।
2.2 शुद्ध उच्चारण सहित वाचन।
2.3 सस्वर वाचन एवं आरोह -अवरोह सहित वाचन।
उद्देश्य
विषय विशिष्ट उद्देश्य-
SO1काव्य पाठ सिखाना।
SO2आरोह अवरोह सहित सस्वर वाचन सिखाना।
व्यावहारिक उद्देश्य-
BO1 KPI 4बालकों को चंद्रमा, आकाश, तारों आदि से परिचित कराना ।
BO2 हिंदी मास, तिथियों तथा शुक्ल एवं कृष्ण पक्ष से परिचित करवाना।
BO3 सस्वर का वाचन एवं गायन का महत्व सिखाना।
BO4 KPI 4आत्मविश्वास विकसित करना।
शिक्षण गतिविधि-
"चांद की विविध कलाएं"
चांद की विविध कलाओं का सचित्र प्रस्तुतीकरण कीजिए।(सामाजिक विज्ञान के पाठ "The Earth and The Solar System "से एकीकृत गतिविधि का आयोजन।
शिक्षण अधिगम प्रक्रिया-
सर्वप्रथम कविता के शीर्षक की उपयोगिता एवं सार्थकता बताते हुए सरल शब्दों में परिचय दिया जाएगा। स्वयं सस्वर वाचन करते हुए बालकों को शुद्ध उच्चारण करवाते हुए काव्य पाठ करवाया जाएगा। कठिन शब्दों के अर्थ बताते हुए आशय एवं भावार्थ स्पष्ट किया जाएगा ।कविता पूर्ण होने पर कठिन शब्दों के अर्थ लिखवाकर प्रश्न-उत्तरों पर चर्चा के उपरांत लेखन कार्य उत्तर पुस्तिका में करवाया जाएगा।
मूल्यांकन बिंदु-
1. सस्वर वाचन।
2.धारा प्रवाह एवं आरोह अवरोह सहित काव्य पाठ।
3.उच्चारण संशोधन।
डिजिटल सामग्री-
विषय संबंधित दृश्य श्रव्य सामग्री का प्रयोग।
अपेक्षित परिणाम-
1. बालक प्राकृतिक घटकों तथा सौरमंडल से परिचित होंगे।
2.सस्वर वाचन एवं काव्य पाठ कर पाएंगे।
3.आरोह-अवरोह एवं हाव -भाव सहित काव्य पाठ कर पाएंगे।
4.कविता के प्रति रुचि जागृत करेंगे।
5.तुकबंदी एवं स्वरचित कविता रचना कर पाएंगे।